एक नजर

महाविद्यालय में प्रवेश भविष्य के शिक्षक और राष्ट्र निर्माता बनने की ओर पहला कदम

उज्जैन। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों के स्वागत के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि शासकीय कालिदास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश केवल एक अवसर नहीं, बल्कि एक दायित्वपूर्ण जीवन की शुरुआत है। विद्यार्थी यहां से भविष्य के शिक्षक, मार्गदर्शक और राष्ट्र निर्माता बनने की दिशा में अपना पहला कदम रख रहे हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि एक श्रेष्ठ शिक्षक ज्ञानवान, संवेदनशील और मानवीय गुणों से परिपूर्ण होता है। शिक्षक जो भी सीखता है, उसे सकारात्मक भाव से समाज को लौटाना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद सदस्य डॉ. मंजूषा मिमरोट ने गुरु की महिमा को विस्तार से प्रतिपादित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. अनिता अग्रवाल और उत्कृष्ट विद्यालय तराना के विकास राठौर उपस्थित थे। दोनों ने पूर्व विद्यार्थी के रूप में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित कर उनका मार्गदर्शन किया। शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। एक विशेष गतिविधि के माध्यम से सभी विद्यार्थियों का आपस में परिचय करवाया गया। अतिथियों का परिचय डॉ. बिलकिस बादशाह ने दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. एकता इंगले ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए दीक्षारंभ को भारतीय संस्कृति के सोलह संस्कारों में से एक बताया। उन्होंने एक प्रेरक कहानी के माध्यम से विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और अर्जित ज्ञान को समाज को वापस लौटाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राध्यापक राधा श्रीवास्तव ने किया तथा अंत में आभार उषा कटियार ने माना।

ज्ञान और संस्कारों की सार्थक शुरुआत है दीक्षोदय

उज्जैन। निर्मला महाविद्यालय एवं निर्मला शिक्षा महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत तीन दिवसीय दीक्षोदय कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन उद्घाटन और परिचय सत्र के दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का आत्मीय स्वागत किया गया। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। उज्जैन डायोसिस के आर्चबिशप डॉ. सेबेस्टियन वडक्कल ने कार्यक्रम में आशीर्वचन देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उच्च शिक्षा के इस नए सफर के लिए शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को हमेशा नैतिक मूल्यों और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में निर्मला महाविद्यालय के प्रबंधक फादर जोस कड़प्रा ने अपने संबोधन में कहा कि दीक्षोदय केवल एक स्वागत कार्यक्रम नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की एक सार्थक शुरुआत है। उन्होंने युवाओं को जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करने की प्रेरणा दी।

जिज्ञासा और साहस पर आधारित है संस्थान की नींव-निर्मला महाविद्यालय के निदेशक डॉ. फादर अंटोनी जोसफ निरप्पेल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप एक ऐसे शैक्षणिक समुदाय का हिस्सा बन रहे हैं, जिसकी नींव जिज्ञासा, सहयोग और साहस पर टिकी है। महाविद्यालय विद्यार्थियों को गहराई से सोचने, स्थापित मान्यताओं पर तर्क करने और अपने दायरे से बाहर निकलकर नए अवसरों का निडरता से सामना करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संस्थान के सभी प्राध्यापक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में हमेशा सहयोग करेंगे। स्वागत भाषण एवं अतिथि परिचय निर्मला महाविद्यालय की प्राचार्य तथा निर्मला शिक्षा महाविद्यालय की अकादमिक निदेशक प्रो. कीर्ति डिडडी ने दिया। संचालन डॉ. मुकुंद गोखले ने किया। अंत में निर्मला शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पंकजा सोनवलकर ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इंजीनियरिंग कॉलेज के हीरक जयंती समारोह का आगाज

उज्जैन। उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज में एल्यूमिनी एसोसिएशन के आह्वान पर कॉलेज की हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ किया गया। एल्यूमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमल भूतड़ा ने बताया कि हीरक जयंती का मुख्य समारोह 18-19 और 20 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित है। शुभारंभ के अवसर पर एल्यूमिनी एसोसिएशन द्वारा कॉलेज परिसर में 60 फलदार और छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस मौके पर एसोसिएशन ने कॉलेज प्रशासन को हीरक जयंती का प्रतीक चिन्ह लोगो भी समर्पित किया। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम में वर्ष 1966 और 1967 के प्रथम व द्वितीय बैच के पूर्व छात्रों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें सफल इंजीनियर बनने का आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन, तकनीकी ज्ञान, व्यवहारिक कौशल, नवाचार, सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का सशक्त अवसर है। विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, नई तकनीकों को अपनाने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया। इस दौरान हेमराज राठौर, मदन मोहन सिंहल, राजेन्द्र प्रसाद गौतम तथा शोभा खन्ना ने छात्रों को संबोधित किया। राजेश चौऋषि ने आनंदित रहने के लिए अपने अनुभव साझा किए तथा एक सुंदर गीत की प्रस्तुति दी। एल्यूमिनी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि महाविद्यालय के हीरक जयंती वर्ष 1966-2026 के अंतर्गत साल भर विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण और नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में पूर्व छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रथम बैच वर्ष 1966 के पूर्व छात्र हेमराज राठौर, राज बहादुर मेहता, रविन्द्र जैन, अभय जैन, विजय विजयवर्गीय, सुरेश थोरा, निर्मल कपूर, दीपक पहावा, द्वितीय बैच वर्ष 1967 के मदन मोहन सिंहल, शशी बेजल, अशोक गुलजकर एवं अन्य पूर्व छात्र राजेन्द्र प्रसाद गौतम वर्ष 1970, शोभा खन्ना वर्ष 1973, राजेश चौऋषि वर्ष 1974, कोमल भूतड़ा वर्ष 1977, सुरेश वर्मा वर्ष 1986, दीपक दाहिमा वर्ष 2006 और कपिल मालवीय वर्ष 2019 उपस्थित रहे।

नगर निगम का नवाचार, सलीके से लगेगा साप्ताहिक बाजार

उज्जैन। नगर निगम शहर को व्यवस्थित और आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। नागझिरी क्षेत्र में वर्षों से बंद पड़े सोयाबीन प्लांट की रिक्त भूमि पर फूड जोन, हॉकर ज़ोन और साप्ताहिक हाट बाजार विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है।

इसके लिए नगर निगम ने संबंधित विभाग से विभिन्न सर्वे नंबरों की खाली जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेजा है। उज्जैन नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा का एक और यह नवाचार है।

क्या है बंद पड़े सोयाबीन प्लांट की कहानी- नवभारत को मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 1986 में प्लांट 23 करोड़ रुपये निवेश कर शुरू किया गया था। 20 साल पहले प्लांट बंद होने पर उद्योग विभाग ने लीज निरस्त कर जमीन अपने कब्जे में कर ली थी। उज्जैन जिले में तिलहन संघ को सोयाबीन प्लांट के लिए 87.84 एकड़ जमीन आवंटित की थी। इसमें से 45 एकड़ जमीन जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र द्वारा दी गई थी और 42.84 एकड़ जमीन राजस्व विभाग द्वारा आवंटित की गई थी। राजस्व विभाग द्वारा आवंटित की 42.84 एकड़ जमीन के टुकड़े में से 15 एकड़ जमीन तमिलनाडु के उद्यमी को होजियरी वस्त्र निर्माण उद्योग स्थापित करने को दी है। प्लांट जब संचालित होता था तो उसमें 233 कर्मचारी विभिन्ना शिफ्ट में काम करते थे। प्लांट बंद होने से इन्हें बकाया वेतन भी नहीं मिला। यह लेनदारी करीब 220 करोड़ रुपये की बताई गई है। इनका कोर्ट केस चल रहा है।

सड़क नहीं, सुरक्षित स्थान- वर्तमान में शहर के कई प्रमुख मार्गों पर साप्ताहिक हाट बाजार सड़क किनारे या सड़क पर ही लग जाते हैं। इससे यातायात बाधित होता है, कई बार लंबा जाम लगता है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। एम्बुलेंस और आपातकालीन वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती है।

ठेला-गुमटी का स्थायी ठिकाना- नगर निगम की इस योजना का सबसे बड़ा लाभ हजारों छोटे व्यापारियों, ठेला संचालकों और गुमटी व्यवसायियों को मिलेगा। अभी उन्हें समय-समय पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। स्थायी हॉकर ज़ोन बनने से उन्हें सुरक्षित और नियमित व्यापारिक वातावरण मिलेगा, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि की संभावना है।

बार बार हटाने की नौबत नहीं आएगी

नवभारत को मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर के प्रमुख मार्गों पर लगने वाले साप्ताहिक बाजारों का सर्वे कर उन्हें चरणबद्ध तरीके से चयनित स्थान पर स्थानांतरित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए। प्रस्तावित फूड जोन में स्थानीय व्यंजन, स्ट्रीट फूड, ठेले और गुमटी संचालकों के लिए भी व्यवस्थित व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिससे उन्हें बार-बार हटाने की नौबत नहीं आएगी।

कुम्भ में फायदा

उज्जैन में तेजी से सड़क चौड़ीकरण, टू-लेन, फोर-लेन और सिक्स-लेन मार्गों का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में यदि सड़कों पर लगने वाले अस्थायी बाजारों को व्यवस्थित स्थान मिल जाता है तो सिंहस्थ-2028 के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं की आवाजाही अधिक सुगम होगी। शहर में ट्रैफिक प्रबंधन बेहतर होगा और महाकाल की नगरी की छवि भी अधिक व्यवस्थित एवं आकर्षक बनेगी।

धर्म, संस्कृति और सनातन चेतना का विराट उत्सव

तराना। नगर स्थित प्राचीन एवं श्रद्धा के केंद्र श्री द्वारकाधीश कुंड पीठ में पूज्य पीठाधीश्वर स्वामी महंत रामेश्वर दास महाराज के पावन सान्निध्य में गुरुपूर्णिमा महोत्सव अत्यंत भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक स्वरूप में संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, गुरु परंपरा, सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का विराट उत्सव बनकर सामने आया। मंदिर परिसर में सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने वातावरण को भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया।

सनातन धर्म में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के स्वरूप के रूप में माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु ही वह दिव्य शक्ति हैं जो अज्ञानरूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। गुरुपूर्णिमा का पर्व भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जहां शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता, श्रद्धा और समर्पण व्यक्त करता है। इसी महान परंपरा को जीवंत करते हुए श्री द्वारकाधीश कुंड पीठ में वैदिक मंत्रोच्चार, गुरु महिमा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य गुरुपूजन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम क्षेत्रीय विधायक श्री महेश जी परमार द्वारा अपनी पूरी टीम के साथ श्री द्वारकाधीश भगवान के दर्शन एवं पूजन कर किया गया। इसके पश्चात उन्होंने पूज्य महंत रामेश्वर दास महाराज का विधि-विधान, पुष्पमालाओं, आरती एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धूमधाम से गुरुपूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रद्धा और सम्मान का अद्भुत दृश्य उपस्थित रहा।

इसी क्रम में क्षत्रिय धनगर गारी समाज की पूरी टीम ने सामूहिक रूप से गुरुपूजन कर सनातन परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम में क्षत्रिय करणी सेना मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राणा इंदल सिंह, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की पूरी टीम के साथ प्रांतीय अधिकारी प्रीतम बैरागी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने गुरु परंपरा को हिंदू संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए समाज को संस्कारों से जोड़ने का संदेश दिया।

हजारों किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा क्लेम राशि से वंचित

खाचरौद। गत दिनों मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि प्रदेश के 84 लाख किसानों को 33000 करोड़ की राशि फसल बीमा के रूप में बैंकों के माध्यम से दी जाएगी। जनपद अध्यक्ष कुंवर पृथ्वीराजसिंह पंवार ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा से 1 रुपया भी प्रधानमंत्री फसल बीमा के रूप में नहीं मिला है। जो क्षेत्र के अन्नदाताओं के साथ एक बहुत बड़ा छलावा है। पंवार ने यह भी बताया कि प्रतिवर्ष दो बार खरीफ व रबी की फसल का बीमा केसीसी के समय बैंकों के माध्यम से अनिवार्य रूप से हो जाता है और जब प्राकृतिक प्रकोप या अन्य किसी कारण से किसान की फसल खराब हो जाती है तो बीमा कंपनियां खराब फसल का सर्वे तक नहीं करती ओर न ही प्रधानमंत्री फसल बीमा फ्री टोल 14447 पर शिकायत दर्ज होती है और हो भी जाती है तो कोई निराकरण नहीं होता है किसान की शिकायत कागजों पर ही सिमट कर रह जाती है।

जिनदत्त स्कूल में तोडफ़ोड़ को लेकर दिया ज्ञापन

महिदपुर। शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल में विगत दिनों एक प्रदर्शन के दौरान तोडफ़ोड़ की घटना भी सामने आई थी। जिसको लेकर स्कूल प्रबंधन ने बच्चों के अभिभावकों की एक बैठक आयोजित की और तोडफ़ोड़ की घटना को लेकर अभिभावकों के हस्ताक्षर युक्त एक ज्ञापन भी अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा। जिसमें कार्रवाई की मांग की गई। शहर के जिनदत्ता स्कूल विगत दिनों हुए प्रदर्शन में विद्यालय के अंदर तोड़फोड़ कर दी गई थी। जिसको लेकर बच्चों में दहशत को माहौल व्याप्त हो गया। वहीं अभिभावकों में भी इस बात को लेकर चिंता दिखी कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर क्या कार्रवाई की जा रही है। इसी को लेकर स्कूल प्रबंधन ने बच्चों के अभिभावकों को बुलाकर एक बैठक आयोजित कर स्कूल में हुई तोड़फोड़ को लेकर एक आवेदन बनाया गया और उस पर सभी अभिभावकों के हस्ताक्षर कर एसडीएम अजय हिंगे को सौंपा गया। इस संबंध में जिनदत्त स्कूल के प्राचार्य विशाल शाह ने बताया कि अभिभावकों में प्रदर्शन को लेकर एक दशहत का माहौल व्याप्त हो गया था और उन्होंने स्कूल प्रबंधन को सुरक्षा को लेकर शिकायत की थी।

युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन

घट्टिया। स्व. नागूलाल मालवीय शासकीय महाविद्यालय घट्टिया में मप्र शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग व स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के तत्वावधान में युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले) का आयोजन किया गया। मेले में एलआईसी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस सहित उज्जैन, इंदौर, भोपाल, गुजरात एवं महाराष्ट्र की विभिन्न निजी कंपनियों ने भाग लेकर विद्यार्थियों का पंजीयन किया तथा साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास, अप्रेंटिसशिप एवं करियर निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पुलकिता आनंद, प्राध्यापकगण, जिला रोजगार कार्यालय एवं शासकीय आईटीआई के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

बची 9 माह की गंभीर अतिकुपोषित मासूम की जान

खाचरौद। मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित दस्तक अभियान के तहत क्षेत्र में प्रशासनिक प्रतिबद्धता, अंतर-विभागीय समन्वय और त्वरित निर्णय क्षमता का एक उत्कृष्ट उदाहरण सामने आया है। सजग मैदानी अमले और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के संयुक्त प्रयासों से एक 9 माह के गंभीर अतिकुपोषित और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मासूम को समय पर इलाज दिलाकर जीवनदान दिया गया। दस्तक अभियान के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुदर्शन सोमात्रा को 9 माह का एक शिशु अत्यंत गंभीर स्थिति में मिला। सामान्यत: इस आयु के बच्चे का वजन 7.5 से 8 किलोग्राम होना चाहिए, जबकि उक्त बच्चे का वजन मात्र 3.600 किलोग्राम था। बच्चा न केवल अत्यधिक कुपोषण से पीड़ित था, बल्कि गंभीर निमोनिया और दस्त की जटिलताओं से भी जूझ रहा था। पोषण प्रशिक्षक द्वारा मामले की जानकारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमरावत को दी गई, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और एसडीएम खाचरौद नेहा साहू को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। एसडीएम साहू ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल एनआरसी खाचरौद पहुंचकर मोर्चा संभाला। उन्होंने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बच्चे के पिता, जेठ तथा अन्य परिजनों से दूरभाष पर सीधी वार्ता की और इलाज में विलंब से होने वाले गंभीर खतरों के प्रति उन्हें जागरूक कर उपचार के लिए सहमत किया।

विभागीय सजगता और त्वरित रेफरल प्रयास

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सुदर्शन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मोहन कुंवर के सहयोग से परिजनों को जागरूक कर बच्चे को तुरंत सिविल अस्पताल खाचरौद पहुंचाया। एनआरसी खाचरौद में पोषण प्रशिक्षक ज्योति वर्मा एवं मेडिकल ऑफिसर द्वारा प्राथमिक उपचार प्रदान कर बच्चे को तत्काल जिला चिकित्सालय उज्जैन हेतु रेफर किया गया।

एसडीएम ने किया शासकीय अस्पताल का औचक निरीक्षण

बड़नगर। अनुविभागीय अधिकारी धीरेंद्र पाराशर ने गुरुवार को बड़नगर के शासकीय चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और खामियां पाए जाने पर संबंधितों को सख्त हिदायत दी।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम पाराशर ने साइकिल स्टैंड पर वाहनों के अव्यवस्थित तरीके से खड़े होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्टैंड ठेकेदार को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी वाहन व्यवस्थित रूप से खड़े होने चाहिए। इसके साथ ही, अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर यश गोविंद मार्केटिंग के आउटसोर्स कर्मचारियों को भी कड़े निर्देश दिए गए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था में बिल्कुल भी लापरवाही न बरती जाए और समय-समय पर पूरे परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। इस औचक निरीक्षण के अवसर पर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी विजेंद्र अजनार, डॉ. देवेंद्र स्वामी, डॉ. विजय मालवीय, डॉ. बबीता माथुर, प्रभारी बीई दिनेश कुमार पंचोली, फार्मासिस्ट कन्हैयालाल वर्फा, हर्षवर्धन परमार सहित अस्पताल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एसडीएम ने अस्पताल की अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने दवा वितरण व्यवस्था, पर्ची काउंटर और अस्पताल के अन्य वार्डों का मुआयना कर वहां की कार्यप्रणाली को देखा।

समाज को सशक्त बनाने के लिए सौंपी जिम्मेदारी

उज्जैन। अखिल भारतीय औदिच्य महासभा ने संगठन का विस्तार करते हुए उज्जैन जिले में नई नियुक्तियां की हैं। महासभा ने समाज को अधिक सशक्त और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से ज्यो. पं. चंदन श्यामनारायण व्यास को उज्जैन जिलाध्यक्ष और पं. यश भट्ट को जिला महामंत्री मनोनीत किया है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण त्रिवेदी और राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. रवि ठक्कर ने दोनों पदाधिकारियों की सामाजिक कार्यों में सक्रियता और कर्मठता को देखते हुए यह मनोनयन किया है। महासभा नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि नवनियुक्त पदाधिकारी अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता के बल पर जिले में संगठन की गतिविधियों का व्यापक विस्तार करेंगे। साथ ही युवाओं की सहभागिता बढ़ाकर समाज के सभी वर्गों को एकजुट करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ज्यो. पं. चंदन श्यामनारायण व्यास लंबे समय से सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे अब्दालपुरा स्थित श्री सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण धर्मशाला सार्वजनिक न्यास, घटिया स्थित श्री सहस्त्र औदीच्य माधव धर्मशाला समिति और रेवती स्थित श्री सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण धर्मशाला सार्वजनिक न्यास के न्यासी भी हैं।

एक नजर | चिंतामण गणेश रोड स्थित मल्होत्रा गार्डन में दोस्ताना ग्रुप का प्रथम मिलन समारोह आयोजित

रिटायर्ड पुलिसकर्मियों के मिलन समारोह में ताजा हुई यादें, 70 पार के वरिष्ठों का हुआ सम्मान

उज्जैन। शहर के चिंतामन गणेश रोड स्थित मल्होत्रा गार्डन में रिटायर्ड पुलिसकर्मी दोस्ताना ग्रुप का प्रथम मिलन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। इस समारोह में पूरे मध्यप्रदेश से पुलिस विभाग के सेवानिवृत्त और वर्तमान अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत में दिवंगत साथियों को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। ग्रुप के संयोजक रिटायर्ड टीआई विनोद शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए साथियों का अतिथि देवो भव: की परंपरा के अनुसार सत्कार किया गया। प्रवेश द्वार पर पंडित जी द्वारा सभी को विधिवत त्रिपुंड लगाकर और मौली बांधकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात महाकाल थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह शक्तावत ने सभी साथियों को मोतियों की माला पहनाकर गर्मजोशी से अगवानी की। वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलते हुए साथियों के बीच कृष्ण-सुदामा के मिलन जैसा आत्मीय दृश्य दिखाई दिया। संयोजक विनोद शर्मा ने अपने स्वागत भाषण से सभी में उत्साह भर दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

समारोह के दौरान राजेंद्र बरोरे, यूएस यादव, रघुनाथ सिंह शक्तावत, प्रदीप भूरिया, राजेंद्र जाट, रामेश्वर परमार और संतोष निंबोडिया ने सदाबहार गीत, भजन, चुटकुले और शेर-शायरी प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर 70 वर्ष से अधिक आयु के पुलिसकर्मियों का मंच पर विशेष सम्मान किया गया। अंत में आभार शिवमंगल सिंह सेंगर और मदन लाल मीणा द्वारा माना गया। इसके पश्चात सभी ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

समारोह में यह अधिकारी व कर्मचारी रहे उपस्थित

मिलन समारोह में महाकाल थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह शक्तावत, वर्तमान क्राइम ब्रांच प्रभारी अनिल शुक्ला, डीएसपी दिनेश चौहान, टीआई मदन लाल मीणा, टीआई शिवमंगल सिंह सेंगर, रमेश मालवीय, टीआई विनोद शर्मा, गोवर्धन लाल श्रीवास्तव, टीआई रविंद्र सिंह सेंगर, सब इंस्पेक्टर अंगद प्रताप सिंह, कमल पटेल, रामप्रताप सिंह परिहार, शिवलाल पालीवाल, उज्जैन के टीआई राजेंद्र व्यास, सब इंस्पेक्टर बलराम सिंह, अर्जुन सिंह राठौड़, भगवान सिंह, अशोक सिंह, शिव मूरत यादव, अशोक सिंह कुशवाहा और योगेंद्र सिंह कुशवाहा उपस्थित रहे।